शादी का लड्डू-2

“शादी का लड्डू-1 उसने बैठ कर मेरी टांगें ऊँची करके मेरा ढीला ढाला सा पायजामा उतार दिया। मेरा मन खिल उठा… सच में अब तो चुदाई का आनन्द आ ही... [Continue Reading] ...”

Story By: Yashoda Pathak (missyashoda)
Posted: बुधवार, सितम्बर 8th, 2010
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: शादी का लड्डू-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शादी का लड्डू-2

शादी का लड्डू-1

उसने बैठ कर मेरी टांगें ऊँची करके मेरा ढीला ढाला सा पायजामा उतार दिया। मेरा मन खिल उठा… सच में अब तो चुदाई का आनन्द आ ही जायेगा। मुझे उसने अब पूरी नंगी कर दिया था। उसने भी जल्दी से अपनी पैंट उतार दी और मेरे ऊपर नंगा लेट गया। हाय रे… दो नंगे जिस्म… आपस में मिल गये…

गर्म गर्म से शरीर का कितना सुखद स्पर्श लग रहा था, उसका भारी लण्ड मेरी पनियाई हुई चूत को रगड़ रहा था, उसका खिला हुआ सुपारा मेरी गीली चूत को रगड़ा मार रहा था।

मेरी तो सांसें सांसें बहुत तेज हो उठी थी। धड़कन भी तेजी लिये हुये थी।

“उफ़्फ़्फ़… जाने देर क्यूँ कर रहा है…”

दोनों के शरीर चिपक गये थे, एक दूसरे को दबा रहे थे।

हम दोनों ही तेज वासना की अनुभूति में डूबे जा रहे थे। तभी मुझे उसके सुपारे का दबाव अपनी चूत पर महसूस किया। मारे गुदगुदी के मैंने भी अपनी चूत का दबाव उसके लण्ड पर डाल दिया। एक तेज कसाव के साथ उसका लण्ड मेरी चूत में उतरने लगा। तभी उसने मुझे एक जोर से शॉट मारा और भचाक से उसका पूरा लण्ड भीतर बैठ गया। मेरे मुख से एक आनन्द भरी चीख सी निकल गई।

“अरे अशोक… लगता है मेरी झिल्ली फ़ट गई…!”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा यह नाटक हर एक नये लड़के के साथ हुआ करता था ताकि उसे लगे कि यह तो फ्रेश माल है। मारे आनन्द के मैंने उसे जोर से दबा लिया। वो भी मुझे फ्रेश लड़की जान कर रुक गया… पर मुझे तो जोर से लौड़ा लेने की इच्छा हो रही थी। जोश में मैंने अपनी चूत उछाल दी।

“धीरे से जान… लग जायेगी…”

“ओह, बहुत दर्द हो रहा है।” कहकर मैंने फिर से अपनी कमर चला दी।

फिर तो उसकी रफ़्तार बढ़ने लगी। दुबला पतला लड़का था सो कमर उसकी तेजी से चल रही थी। मैं भी कस कस कर जवाब दे रही थी।

थप-थप की आवाजें तेज हो गई थी। तेज भचीड़ों से मैं निहाल होने लगी थी। मैं तो चरम सीमा को लांघने ही वाली थी… पर अशोक की अदा ने मुझे जोर से झड़ा दिया। उसने मेरे चूचक को खींच कर मसल दिया। मेरी चूत में एक आग सी उठी और… और मैं जोर से झड़ने लगी।

उसने भी किसी फ़िल्मी स्टाईल में अपना लण्ड चूत से बाहर निकाला और तेजी से मुठ्ठ मारते हुये अपना वीर्य हवा में उछाल दिया। उसकी पिचकारियाँ मन को मोह लेने वाली थी। एक के बाद एक पिचकारी !धीमी पड़ती गई और अन्त में बून्द बून्द को निचोड़ कर उसने अपना कार्यक्रम सम्पन्न किया।

चोदने के बाद फिर वो उछल कर किसी खिलाड़ी की तरह बिस्तर के नीचे खड़ा हो गया। मैं भी जल्दी से अपने कपड़े खींच कर पहनने लगी।

“अब तुम्हें समझ में आ गया कि संजीव को क्या चाहिये ?”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“उंहु, अभी पूरा समझ में नहीं आया…” मैं उसे टेढ़ी नज़र से देख कर मुस्कराई।

“अब क्या रह गया है… ?”

“यह तो सामने स्वर्ग का दरवाजा खुला पड़ा था तो झण्डे गाड़ दिये… पाताल लोक में झण्डे गाड़ो तो पता चले कि जनाब कितने पानी में हैं।’

“वो क्या होता है… ?” यह कहानी आप अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ रहे हैं।

रात को इसी कमरे में आ जाना… और पाताल लोक में झण्डे गाड़ देना। मेरी तिरछी निगाह उसे गाण्ड मारने का निमन्त्रण दे रही थी।

मैं रात को अशोक का इन्तजार करने लगी। जब रात के ग्यारह बजने लगे तो मुझे नींद सी आने लगी। चूत की खुजली भी तेज होने लगी थी। मैं चुदासी भी हो चली थी। तरह तरह के चुदने के विचार आ रहे थे। इन्हीं मधुर विचारों में न जाने कब मेरी आँख लग गई।सपने में भी मैं अशोक से चुद रही थी। तभी जैसे मेरी आँख खुल गई। अंधेरे में मुझे लगा कि अशोक आ गया है।

“कितनी देर कर दी ?”

“श…श श… चुप रहो…!” उसके फ़ुसफ़ुसाने की सी आवाज आई।

वो चुप से मेरे बिस्तर पर आ कर लेट गया। उसने अपनी पैंट उतार दी। मैं तो पहले ही छोटी सी शमीज पहने हुए थी तो कमर से ऊपर उठा ली। मेरी खूबसूरत गोल गाण्ड से उसका लण्ड सट सा गया। मैंने तेल लगा कर पहले ही उसे चिकनी कर दी थी पर उसका लण्ड तो आगे बढ़ गया और मेरी चूत को टटोलने लगा।

“अरे ये क्या कर रहे हो ? बात तो पाताल लोक की हुई थी, स्वर्ग लोक की नहीं।”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“श…श श…!” वो मुझे चुप ही कराता रहा। मैंने बहुत कोशिश की कि उसे अपनी चूत से दूर रखूँ पर क्या करती उसकी ताकत के आगे फिर मैंने समर्पण कर दिया और उसका सख्त लौड़ा मेरी चूत में घुसता चला गया।

इस बार कितना भारी लग रहा था उसका लण्ड, लग रहा था कि बहुत जोश में था। जाने उसका लण्ड इतना लम्बा कैसे हो गया था कि मेरी चूत की गहराई को वो आसानी से नाप रहा था। उसके धक्के भी चूत में कसे कसे से लग रहे थे।

“बहुत मजा आ रहा है जानू… जरा तेजी से चोदो !”

“हाँ रानी… तेरी चूत तो कितनी कसी है…!”

मेरा दिल धक से रह गया… हाय रे…! यह क्या हो गया… यह कौन है… कौन चोद रहा है मुझे… किसकी आवाज है ये… ?

“कौन हो तुम… और तुम यहाँ कैसे आ गये… ?”

“मैं रवि… वही अशोक के बचपन का दोस्त… यशोदा जी प्लीज… तुम्हें चोदने की मेरी दिली तमन्ना थी।”

“तो अशोक कहाँ है ?”

उसके लण्ड में तो सवेरे चोदते समय चोट लग गई थी। जब मैंने अपने दिल की बात बताई तो उसने मुझे भेज दिया।

“ओह्ह, तो तुम हो रवि… साला मुझे तो डरा ही दिया था।”

मैंने अब तसल्ली से अपनी टांगें चुदने के लिये फ़ैला दी। अब वो और मस्ती से गहराई तक

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शॉट लगाने लगा था। मेरी एक टांग उसने थाम रखी थी। मेरी नर्म चूत को वो कस कर पेल रहा था। मेरी चूत को अखिर तृप्ति मिल ही गई और मैं जोर से झड़ गई।

‘बस करो अब रवि… मुझे लग रही है…!”

“पीछे की मार दूँ… ?”

“तो पहले क्या कह रही थी मैं… तुम तो सुन ही कहाँ रहे थे…”

“पहले यशोदा जी… आपको चोद कर मजे तो ले लेता फिर गाण्ड के मजे लेता…”

उसका मोटा लण्ड मेरी गाण्ड के छल्ले में फ़ंस सा गया। बहुत मोटा था…

“अरे धीरे से…बहुत मोटा है यह तो…!”

“यशोदा जी… आपको तकलीफ़ नहीं होने दूंगा…”

उसने इस बार हल्का सा जोर लगाया… लण्ड धीरे से अन्दर सरक गया।

“उफ़्फ़ ! साला, क्या मूसल जैसा है… ! उईईईई जरा धीरे ना… मेरी फ़ट जायेगी।”

उसने पहले तो बाहर निकाला फिर वापस अन्दर कर दिया। उफ़्फ़, पहले तो ऐसी तकलीफ़ कभी नहीं हुई थी। वो अब अपना लण्ड थोड़ा सा घुसा कर लेट गया। मुझे अपनी गाण्ड में लण्ड बहुत भारी सा लग रहा था… कुछ कुछ फ़ंसा हुआ सा… मैंने ही धीरे से गाण्ड का दबाव उसके लण्ड पर डाला। उसने भी दबाव महसूस किया और लण्ड को भीतर घुसेड़ दिया।

“ओ ओ… बस बस… यह तो बहुत मोटा है, इसे निकाल ही दो प्लीज !”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पर हुआ उल्टा ही… उसने लण्ड को और अन्दर दबा डाला।

“अरे !अरे, क्या कर रहे हो… ? बोला ना, बस करो… !”

“तेरी तो भेन की भोसड़ी… चुप से पड़ी रह…”

उसकी भाषा सुन कर मैं तो जैसे सुन्न सी रह गई पर उसने अपने आप पर काबू पाया और बोला- अरे, आराम से गाण्ड चोदने दे… देख तकलीफ़ नहीं होने दूंगा… अब रोक मत मुझे।

अब वह लण्ड को दबा कर भीतर घुसेड़ने लगा। दर्द तो नहीं हुआ पर लण्ड फ़ंसते हुये अन्दर जा रहा था।

“ले पूरा बैठ गया ना… नहीं हुई ना तकलीफ़ ?”

‘उफ़्फ़… सच कहते हो… मजा आ गया… अब चल चोद मेरी गाण्ड… !”

उसने मेरी कमर को थाम कर लण्ड को आहिस्ते से चलाना शुरू कर दिया। धीरे धीरे गाण्ड ने लण्ड के साईज के अनुसार खुद को सेट कर लिया। अब रवि मेरी गाण्ड आराम से चोद रहा था। इतनी देर में शायद मेरी चूत में भी गर्मी आ गई थी और चूत पानी छोड़ने लगी थी। अब तो मेरा पूरा शरीर लय में आगे पीछे हो कर गाण्ड की चुदाई में मदद कर रहा था। रवि भी मेरी कसी गाण्ड की मार कब तक झेलता। उसने मेरी गाण्ड में ही वीर्यपात कर दिया।

“मेरी चूत में तो आग लग गई है… अब क्या करूँ रवि ? बुझा दो प्लीज।”

उसने तुरन्त मेरी चूत से अपना मुख चिपका दिया और मेरे दाने को चूस चूस कर मुझे झड़ा दिया। मैंने गहरी सांस ली और निढाल सी पड़ गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रवि अंधेरे में ही उठा और अपने कपड़े पहन कर चुपके बाहर निकल गया। मैं लेटी लेटी सोचती रही कि अशोक से तो ये रवि ही जोरदार है… इससे चुदवा कर बहुत मजा आया। ये संजीव तो मुझे हर जगह चुदवा कर ही छोड़ेगा देखना। कैसी आग लगा दी है मन में उसने… हाय कैसा है ये जालिम। लगता है संजीव तो जब चोदेगा तो तब देखा जायेगा… दुनिया तो मुझे पहले ही चोद डालेगी।

यशोदा पाठक

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kannada sex stories

URL: www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

Indian Gay Porn Videos

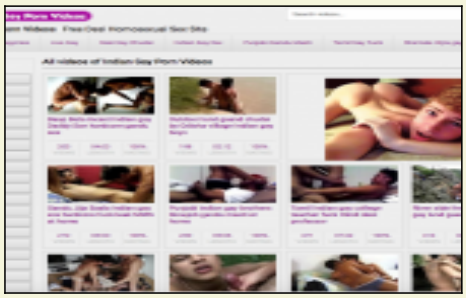

URL: www.indiangaypornvideos.com **Average traffic per day:** 10 000 GA sessions **Site language:** **Site type:** Video **Target country:** India Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun.

Kinara Lane

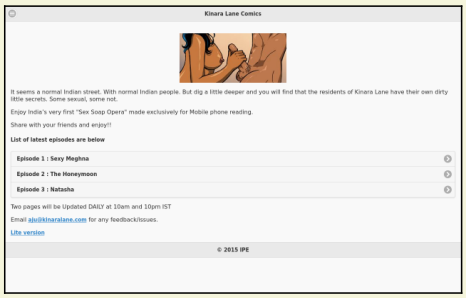

URL: www.kinaralane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Desi Kahani

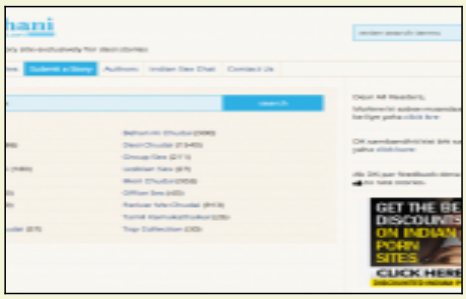

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Aflam Neek

URL: www.aflamneek.com **Average traffic per day:** 450 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire